

# विश्व न्याय मन्दिर

25 नवम्बर 2016

विश्व के बहाईयों को,

परम प्रिय मित्रगण,

आज, संविदा दिवस, पूरे विश्व में प्रभुधर्म के संरक्षण तथा प्रसार के लिये सहायक मण्डल सदस्यों की नई सेवा-अवधि के आरम्भ होने को चिन्हित करता है, एक सेवा-अवधि जिसका समापन रचनात्मक युग की पहली शताब्दी के अन्त में होगा। प्रभुधर्म के ये समर्पित पदाधिकारी उस संस्था का गठन करते हैं, जो मूल रूप से शोगी एफेंदी द्वारा धर्मभुजाओं के “प्रभुधर्म के संरक्षण और शिक्षण-गतिविधियों के प्रसार के दोहरे और पावन कार्य” में सहायता देने के लिये परिकल्पित और संरचित की गई थी। अब महाद्वीपीय सलाहकारों के सहायक के रूप में काम करते हुये, ये और इनके सहायक विश्व-व्यापी ‘योजनाओं’ को प्रकट करने में निर्णायक भूमिका अदा करते हैं, जो काम के दृष्टिकोण को विस्तार प्रदान करता है और विचारों को सुस्पष्ट करता है, लचीलापन देता है तथा साधनसम्पन्नता प्रदान करता है। एक समुदायसमूह से दूसरे समुदायसमूह में, गतिविधियों की शुरुआत से लेकर, मित्रों के साथ, कदम-से-कदम मिलाकर व्यक्तियों, समुदायों और संस्थाओं को योजना की ओर ध्यान देने, क्या कुछ किया जाना है इसकी सही अवधारणा बनाये रखने कि क्या करने की आवश्यकता है और आगे क्या कदम उठाये जाने हैं, इस सम्बन्ध में सभी मित्रों के प्रयत्नों की सराहना करने तथा आपसी सहयोग पर बल देने में ये सहायक मण्डल सदस्य मित्रों के साथ कदम-से-कदम मिलाकर परिश्रम करते हैं। और अपनी सेवा के हर क्षेत्र में वे परस्पर प्रेम और एकता के भाव को प्रोत्साहित करते हैं। इस वर्तमान ‘योजना’ में उनसे कुछ इतनी बड़ी अपेक्षायें की जायेंगी कि हम सहायक मंडल सदस्यों की संख्या में 144 को जोड़ने के लिये बाध्य महसूस कर, इसे 1,134 के बराबर कर रहे हैं, जो संरक्षण और प्रसार मण्डलों में समान रूप से विभाजित किये जायेंगे। जब नई नियुक्तियों का पद-भार सहायक मण्डल सदस्य ग्रहण कर लेंगे तब कार्य की आध्यात्मिक प्रकृति और जो जिम्मेदारियां उन्हें वहन करनी हैं उनके सम्बन्ध में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण केन्द्र द्वारा आयोजित किये जाने वाले सम्मेलनों के माध्यम से उनकी समझ को और भी स्पष्टता मिलेगी। ये सम्मेलन अभी से रिज़वान 2017 के बीच आयोजित किये जायेंगे। यह हमारी उत्कट आशा है कि इन सम्मेलनों के परिणामस्वरूप पूरे समुदाय में ऊर्जा की एक अतिरिक्त लहर उमड़ेगी, सर्वत्र मित्रों द्वारा किये जा रहे कार्यों को बल मिलेगा और हम पवित्र समाधि पर याचना करेंगे कि सहायक मण्डल सदस्यों के त्यागपूर्ण प्रयास को स्वर्गिक दूतों की सम्पुष्टि निरंतर प्राप्त होती रहे।

-विश्व न्याय मंदिर